जय श्रीमन्नारायण !

श्रीरामानुज सहस्राब्दी - समारोह

जय श्रीमन्नारायण !

श्रीमते नारायणाय नमः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीरामानुज सहस्राब्दी - समारोह

१०३५ कुण्डों का श्रीलक्ष्मीनारायण महाक्रतु
१०८ दिव्यदेशों की प्रतिष्ठा एवं कुम्भाभिषेक
सुवर्णमय श्रीरामानुजस्वामीजी की प्रतिष्ठा
समुन्नत समतामूर्ति का लोकार्पण

२-२-२०२२ से १४-२-२०२२ तक

श्रीरामनगर में, शंषाबाद, हैदराबाद - ५०९३२५, भारत.

भगवद् बन्धुओं !!... हार्दिक स्वागत सुमाञ्जलि ...

''दुनियाँ के दुःख दूर करने के लिए यदि मुझे नरक जाना पडे तो भी वह सहर्ष स्वीकार है।।''

''भगवान् के सामने हर प्राणी समान है, ऊँच-नीच नहीं है।।''

''उन का नाम प्यार से गाने का अधिकार सब को है।।''

''जाति - पाति की सीमा पारकर भगवान् का दरबार सब के लिए खुला है।।''

= श्री रामानुजाचार्य =

Sri Ramanuja Sahasrabdi
1017 - 1137 AD
1000
Srimathe Ramanujaya Namaha

★ जन जीवन से दूर फेंकी गयी जनता को अष्टाक्षरी महामन्त्र का उपदेश दिया ।
उन्हें वैष्णव बनने का भाग्यशाली बनाकर श्रीरामानुजस्वामीजी **''सम समाजनिर्माता''** बने ।।

★ विश्व के इतिहास में ही पण्डित, पामर, प्रशासक एवं पालकों के बीच में सुन्दर सेतु बनाया ।
तथा विश्वकुटुम्ब भावना को प्राण देकर श्रीरामानुजस्वामीजी **''संघसंस्कर्ता''** बने ।।

★ वैदिक वाङ्मय को आम जनता के द्वार पर पहुंचाकर श्रीरामानुजस्वामीजी **''क्रान्तिदाता''** बने ।।

★ मायावाद को हटाकर भक्ति साम्राज्य में विहार करने वाली विविध वैदिक परम्पराओं के लिए श्रीरामानुजस्वामीजी,
''शास्त्रोक्त आदि मूल'' बने ।।

★ वैष्णव प्रेमामृत भरके गानामृत से जगत् को पावन करने वाले जितने भी हैं, उन के अंदर वैष्णव तत्त्व के
''मूल स्रोत'' श्रीरामानुजस्वामीजी हैं ।।

★ कबीर, मीराबाई, अन्नमाचार्य, भद्राद्रि रामदास, त्यागराज, सूरदास, तुलसीदास आदि सुप्रसिद्ध
गायक सार्वभौमों के लिए वैष्णव प्रेम तत्त्वका श्रीरामानुजस्वामीजी **''स्फूर्तिदाता''** हैं ।।

★ मठ मन्दिरों के निर्देश राज्यों को चलाने वाले उस कालखण्ड में निम्न समाज को
५० प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करके श्रीरामानुजस्वामीजी **''समतामूर्ति''** बने ।।

✻ ✻ ✻ ✻ ✻ ✻ ✻ ✻ ✻ ✻ ✻

वे दक्षिण भारत के श्रीपेरुम्बूदूर में प्रकट हुए सन् १०१७ में । विशाल भारत के कोने कोने को अपने पदार्पण से पावन किया । पूर्णहृदय से हर व्यक्ति के हृदय को जान लिया । सर्वजन हित के लिए और सर्वजन सुख के लिए सर्व वेदों के सार को आपने ९ ग्रन्थों में रचना की ।।

स्वच्छ हृदय से गुरुओं, शासक वर्ग, नेताओं, पण्डित तथा पामर सब लोगों को रिझाकर भक्तिमार्ग में एकोन्मुख किया । विश्वविख्यात वर्तमान समता सिद्धान्त वादियों का सारे समता वाद, श्रीरामानुजनदी से निकली हुयी छोटी छोटी नहरियाँ हैं । यद्यपि यह बात अतिशयोक्ति लगती है तथापि यह ऐतिहासिक सत्य है ।

Sri Ramanuja Sahasrabdi
1017 - 1137 AD
1000
Srimathe Ramanujaya Namaha

अब उन की सहस्राब्दी है। उन महानुभाव के प्रेमपूर्ण
पद्धतियों को अपनाते हुए भी, उन के नाम को बहुत सारे लोगोंने छुपाया ।
उस से समाज, तिरोगमन में गिरा । मनुष्यों के बीच में लोहे का दिवार-जाति, वर्ण, वर्ग,
भाषा, पार्टी के नाम से बढती जा रही है ।समतावाद, नेताओं की बातों तक ही सीमित होगया।
श्रीरामानुजस्वामीजी का प्राकट्य अब अत्यन्त ही आवश्यक है ।
उन की श्रीमूर्ति और श्रीसूक्ति जनता के लिए स्फूर्ति दायक है ।।
उन की सहस्राब्दी के अलावा इस स्फूर्ति को जगाने के लिए योग्य समय और क्या होगा ?
इसी सङ्कल्प से **''समतामूर्ति स्फूर्तिकेन्द्र''** का आविर्भाव हुआ ।।

यहाँ पर....

२१६ फीट आचार्य श्री की पञ्चधातु मूर्ति, दर्शन से जनता को समता की ओर प्रेरणा देती है ।।
स्वर्णमय श्रीमूर्ति, आने वाली आम जनता को आराधना का अवकाश देती है।।
खिलने वाले कमल से कृपापूर्ण आचार्य का आविर्भाव प्रति संध्या होते ही, उन को प्रेमजल से अभिषेक करेंगे ।
आधुनिक विज्ञान के सहयोग से आचार्यश्री के जीवन के कुछ स्फूर्तिदायक प्रेरणात्मक दृश्यों का दर्शन कर सकते हैं ।।
इसी सुअवसर को साकार करने के लिए परम वैदिक क्रम से एक यज्ञ का अनुष्ठान किया जाएगा ।।

१०३५ कुण्डात्मक ''श्रीलक्ष्मीनारायण महाक्रतु''

इस में प्रायः ५००० से अधिक ऋत्विक भाग लेंगे । चारों वेदों में से ७ शाखाओं का पाठ सुनने का भाग्य मिलेगा ।।
अष्टाक्षरी महामन्त्र का प्रतिदिन एक करोड जप, उस का दशांश हवन, उस का दशांश तर्पण इत्यादि क्रम से अनुष्ठान होगा ।।
समाश्रित वैष्णव सब इस में सहभागी बन सकते हैं ।।
इतिहास - पुराण- मन्त्र, स्तोत्र आदि ग्रन्थों का पाठ होगा ।।
१०८ दिव्यदेशों की प्राणप्रतिष्ठा, उन दिव्यदेशों से लाए गए मृत्तिका और सालग्राम श्रीमूर्ति के साथ विधिवत् की जाएगी।।
दुनियाँ के कोने कोने से आनेवाले लाखों भगवद् बन्धुओं को पावन प्रसाद निरन्तर ताकत देता रहेगा ।।

यह एक अद्भुत समारोह है। इस में भाग लेना एक सौभाग्य की बात है।।
सेवा को समर्पण करना अपूर्व पुण्य विशेष है । ये सब के बढाव के लिए है।।
भगवद् बन्धुओ !! अपने इष्ट, प्रेमी बन्धु जनों को यह बात बतादें ! और उन को
प्रेरित करें ! और सेवा का सौभाग्य प्राप्त करें ।।

इस समारोह की सेवा में सहभागी बनने के लिए कुछ दिशा निर्देश-

१. अष्टोत्तरशतनाम पूजा में भाग लेने के लिए.....११००

२. गोपूजा के लिए १,५००

३. याजमान्य संकल्प लेने के लिए २,१००

४. एक ऋत्विक को वस्त्र आदि समर्पण के लिए ५,०००

५. देशी गायों के दही से मथन करके, माखन से, पिघाले हुए घी हि हवन में प्रयोग होगा । यहीं से संगृहीत घी को लेकर समर्पण कर सकते हैं । एक किलो का (जितने किलो भी समर्पण कर सकते हैं) २,०००

६. तदीयाराधना (भण्डारा) १०० लोगों के लिए लगभग (जितने लोगों को भी समर्पण कर सकते हैं).....१०,०००

७. एक कुण्ड में यजमान बनने के लिए एक दिन की सेवा ६०,०००

८. पूरे १२ दिन भाग लेने वाले यजमान के लिए ६,००,०००

९. एक इष्टि में यजमान बनने के लिए १,००,०००

१०. १० दिन चलने वाली हर इष्टि में भाग लेने के लिए ८,००,०००

A/c Name : Sri Ramanuja Sahasrabdi Samaroham
Branch : Shamshabad
Bank : Axis Bank (Savings Bank)
A/c No. : 921010018558776
IFSC Code : UTIB0000867

SCAN AND PAY

IMPORTANT NOTE :
After sending money using QR code, it is MANDATORY to immediately send your - Phone number, Name & Address, Amount, purpose along with PAN number and Transaction ID (if any) to e-mail: srs.samaroham@chinnajeeyar.org or whatsapp the above said details to **7330754646**.

..... Pay using 90+ Apps including .....

AXIS PAY · ICICI Bank · G Pay · PAYZAPP · PhonePe · SAMSUNG pay · freecharge · HDFC BANK

and more...

शीघ्र ही विशेषजानकारी के लिए संपर्क करें

+91 790 142 2022

E-mail :- srs.samaroham@chinnajeeyar.org

Website :- statueofequality.org

chinnajeeyar.org

आचार्य सेवा में

समतामूर्ति स्फूर्ति केन्द्र

श्रीरामानुजसहस्राब्दी समारोह,

जीवा प्राङ्गण, श्रीरामनगर

शंषाबाद, हैदराबाद - ५०९३२५, भारत.

जय श्रीमन्नारायण !